[डा० राम सुभग सिंह]

(10) प्रदीप पत्तन न्यास (बोर्ड की बैठकों सम्बन्धी प्रक्रिया) नियम, 1967 में रूपभेद के श्री श्रीनिवास मिश्र के प्रस्ताव पर बुधवार, 20 दिसम्बर, 1967 को सायंकाल 5 बजे चर्चा ।

श्री हुकम चन्द कछवाय (उज्जैन) : अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने अगले सप्ताह के लिए जो कार्यक्रम रखा है, उस में उन्होंने शिड्यूल्ड कास्ट्स और शिडयूल्ड ट्राइब्ज सम्बन्धी रिपोर्ट का कोई जिक्र नहीं किया है । वह एक बहुत महत्वपूर्ण रिपोर्ट है, लेकिन उस के बारे में चर्चा का कोई जिक्र नहीं किया गया है । उस पर कम से कम चार पांच घंटे चर्चा होनी चाहिए ।

अनेक प्रान्तों में श्रम सम्बन्धी—श्रमिकों और मालिकों के—जो झगड़े चल रहे हैं, उनके बारे में यहां पर चर्चा होनी चाहिए । चाहे कोयला खान मजदूर हों और चाहे बीडी मजदूर और चाहे कपड़ा उद्योग मजदूर, उन सब की समस्याओं पर चर्चा होना बहुत आवश्यक है ।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री (हापुड़) : अध्यक्ष महोदय, मैं निवेदन करना चाहता हूं कि आज समाचारपत्रों में इस प्रकार के समाचार आए हैं कि भारत सरकार बाड़मेर की सीमा के बारे में बहुत चिन्तित हो रही है । इसी प्रकार जम्मू-काश्मीर और आसाम की स्थिति भी संतोषजनक नहीं है । इस लिए अगर अन्तर्राष्ट्रीय स्थिति सम्बन्धी चर्चा में सीमा-सुरक्षा की चर्चा को भी सम्मिलित कर लिया जाये, तो सदन को इस महत्वपूर्ण विषय पर भी विचार करने का अवसर मिल जायेगा ।

11.05 hrs.

INDIAN TARIFF (AMENDMENT) BILL*

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI MOHD. SHAFI QURESHI): I beg to move for leave to introduce a Bill further to amend the Indian Tariff Act, 1934.

MR. SPEAKER: The question is:

"That leave be granted to introduce a Bill further to amend the Indian Tariff Act, 1934."

The motion was adopted.

SHRI MOHD. SHAFI QURESHI: I introduce the Bill.

11.06 hrs.

OFFICIAL LANGUAGES AMENDMENT) BILL—*Contd.*

CLAUSE 2—(*Substitution of new section for section* 3)—Contd.

MR. SPEAKER: The House will now take up further clause by clause consideration of the Bill to amend the Official Languages Act, 1963. We have already spent one hour more than the time allotted for it. But, I am told, there are two more speakers. I would allow them time and request them to be brief.

श्री शिवचरण लाल (फ़िरोजाबाद) : अध्यक्ष महोदय, मैं अंग्रेजी भाषा का घोर विरोध करने के लिए और हिन्दी भाषा का प्रबल समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं । माननीय सदस्य, सेठ अचल सिंह, के बयान पर मुझे आश्चर्य होता है । वह मेरे साथ आगरा से चुन कर आये हैं, जो कि एक हिन्दी-भाषी क्षेत्र अर्थात् उत्तर प्रदेश में है । आगरा में हिन्दी के समर्थन में और अंग्रेजी के खिलाफ सत्याग्रह चल रहा है । माननीय सदस्य वहां की जनता को यह आश्वासन दे कर आए हैं कि मैं आप के आदेशानुसार सदन में आप की सेवा करूंगा । लेकिन यहां पर उन्होंने अंग्रेजी का समर्थन कर के और इस विधेयक के पक्ष में वोट दे कर वहां की जनता की पीठ में छुरा घोंपा है ।

1957 में उत्तर प्रदेश सोशलिस्ट पार्टी की तरफ़ से अंग्रेजी भाषा के खिलाफ़ सत्याग्रह संग्राम में भाग लेने पर मुझे साढ़े सात महीने

---

*Published in Gazette of India, Extra ordinary, Part II, Section 2, dated 16-12-1967.